>

Title : Need to develop 'Garhganga' a pilgrimage site in Western Uttar Pradesh.

श्री देवेन्द्र नागपाल (अमरोहा): मैं आपके माध्यम से माननीय पर्यटन मंत्री, भारत सरकार का ध्यान मेरे लोक सभा में गढ़गंगाधाम की दयनीय स्थिति की ओर आकर्Âिात कराना चाहता हूं।

मेरे लोक सभा क्षेत्र में गढ़गंगाधाम जनपद ज्योतिबाफुले नगर व गाजियाबाद दोनों जनपद की सीमा पर स्थित है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मां गंगा के श्रद्धालु जो किसी समय में हरिद्वार धार्मिक स्नान हेतु जाते थे, वे हरिद्वार के उत्तराखंड राज्य में शामिल हो जाने के कारण लाखों की संख्या में गढ़ गंगा में धार्मिक स्नान हेतु पहुंचते हैं, किंतु वर्तमान में मां गंगाधाम की दयनीय स्थिति के कारण श्रद्धालुओं को काफी कÂटों का सामना करना पड़ता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरिद्वार के उत्तराखंड में जाने के पश्चात पर्यटन व धार्मिक स्नान की दृÂिट से एकमात्र गढ़गंगाधाम है जो कि दिल्ली से मात्र 75 किलोमीटर है। देश की राजधानी, हरियाणा व कई प्रदेशों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु मां गंगा का धार्मिक स्नान का लाभ उठाते हैं। परन्तु, धार्मिक भावनाओं व पवित्र स्नान को दृÂिटगत रखते हुए सुविधाओं के नाम पर कुछ भी इंतजाम नहीं किये गये हैं।

अतः मैं आपके माध्यम से माननीय पर्यटन मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि गढ़गंगा धाम जनपद जे.पी. नगर व जनपद गाजियाबाद की सीमा पर स्थित गढ़गंगा (बृजघाट) के दोनों घाटों को हरिद्वार की तर्ज पर बनवाने व हरिद्वार के तर्ज पर धार्मिक पर्यटन का दर्जा देने की कृपा करें।